

M.S.B
कक्षा : 10
हिन्दी – 2018

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 80

सूचनाएँ :

1. सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियाँ की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

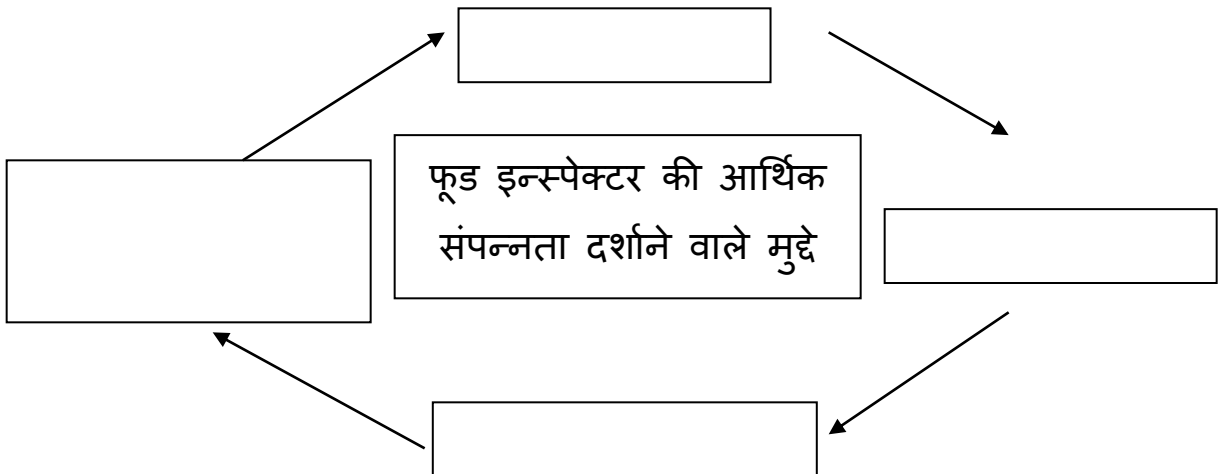
[20]

प्र. 1 (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

[8]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :

2



वह रो रहा था। सचमुच में रो रहा था। जब मैंने उसकी आँखों में टावेल लगाया। कहा, "भैया, मत रोओ, सिर दुखेगा।"

उसने कहा, "होनी को कौन टाल सका है? देखो, क्या होना था, क्या हो गया।" और उसके आँसुओं ने फिर स्पीड पकड़ ली। उसने अचानक पास में रखी हुई मसाला दोचने की लुढ़िया उठाई और अपने सर पर मारते हुए कहा, "ले भुगत।"

उसके सर पर बहुत बड़ा गुरमा निकल आया। मैंने टावेल निचोड़कर उसकी आँखों पर रख दिया।

वह फूड इन्स्पेक्टर था। यूँ उसका रंग वही था, जो भगवान कृष्ण का था, मगर उसके गाल लाल सुर्ख थे। इस सदी में यदि किसी को निखालिस दूध मिलता था, तो उसे ही, क्योंकि वह शहर के होटलों में दूध चेक करता था। उसके बच्चे भी मोटे-ताजे थे और उसकी बीवी गहनों से लदी रहती थी। वह स्वयं घी का व्यापारी नहीं था पर उसके घर में घी के कनस्तर रखे रहते थे। वह फूड इन्स्पेक्टर की नौकरी में इतना खुश था कि उसे अगर राष्ट्र के सबसे बड़े पद का आफर भी मिलता, तो वह ठुकरा देता।

(2) कारण लिखिए :

2

- (i) फूड इन्स्पेक्टर के सर पर गुरमा निकल आने का कारण -
- (ii) फूड इन्स्पेक्टर को निखालिस दूध मिलने का कारण -

(3) उचित विरामचिह्नों का यथास्थान प्रयोग कर वाक्य फिर से लिखिए :

- (i) उसने कहा होनी को कौन टाल सकता है
- (ii) वचन परिवर्तन कीजिए :

1

1

1. आँख

2. शहर

(4) 'होनी को कोई टाल नहीं सकता' पर अपने विचार लगभग 8 से 10 वाक्यों में लिखिए। 2

(ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [8]

(1) विधान पढ़कर उसके सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए : 2

1. व्याकरण का उद्देश्य वाणी की शुद्धि करना माना गया है।
2. पतंजलि ने चित्तशुद्धि के लिए वैद्यक लिखा।
3. सुंदर भजन का नाद नींद में भी मन में घूमता रहता है।
4. भक्तिमार्ग की मुख्य सीख वाक् शुद्धि है।

पतंजलि के बारे में कहते हैं कि उसने चित्तशुद्धि के लिए योगसूत्र लिखे, शरीरशुद्धि के लिए वैद्यक लिखा और वाक् शुद्धि के लिए व्याकरण महाभाष्य लिखा। ये तीनों चीजें लिखने वाला पतंजलि एक ही था या अलग-अलग इस ऐतिहासिक प्रश्न को हम अभी छोड़ दें। परंतु महत्त्व की बात यह है कि व्याकरण का उद्देश्य वाणी की शुद्धि करना माना गया है।

भक्तिमार्ग की मुख्य सिखावत है कि वाणी से हरिनाम लेते रहना चाहिए।

शरीर संसार में काम भले ही करता रहे, किंतु वाणी में संसार न हो। वाणी का मन पर गहरा संस्कार पड़ता रहता है। कोई अगर सुंदर भजन सुनकर सो जाए तो सवेरे उठते ही बराबर वही अपने-आप

याद आ जाता है, इतना उसका नाद नींद में भी मन में घूमता रहता है। तुलसीदास जी ने कहा है :

राम नाम मणि दीप धरु जीह देहरी द्वार,

तुलसी भीतर बाहराहुँ जो चाहस उजियार।

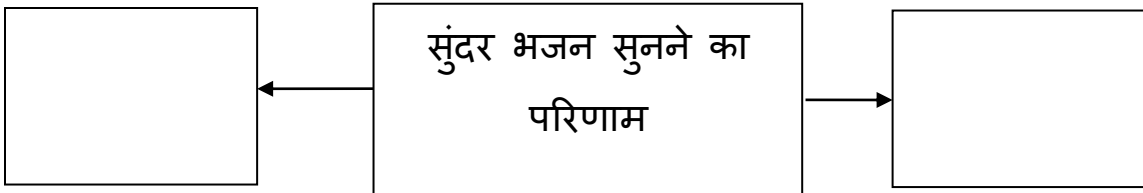
अंतर की आत्मा और बाहर का जगत इन दोनों के मध्य मानो यह वाणी देहरी है। अंदर और बाहर दोनों ओर अगर मुझे प्रकाश चाहिए तो वाणी की इस देहरी पर रामनाम का बिना तेल-बाती का मणिदीप रख दे।

(2) (i) एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए : 1

1. पतंजलि द्वारा शरीरशुद्धि के लिए लिखी रचना -

2. अंतर आत्मा और बाहर का जगत इन दोनों का मध्य -

(ii) उत्तर लिखिए : 1



(3) (i) सारणी की सहायता से विरुद्ध अर्थ के शब्द ढूँढ़कर लिखिए : 1

बा	अ	×
द्	×	र
ह	द्	ध

शु × र

(ii) परिच्छेद में प्रयुक्त दो विरामचिह्नों के नाम लिखिए। 1

(4) 'वाणी' का महत्त्व पर अपने विचार लगभग 8 से 10 वाक्यों लिखिए। 2

(ग) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [4]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए : 2

लोग शहरों के प्रति आकर्षित होने के कारण

शहरों को पसंद करने के कई कारण हैं। नगर बहुत से लोगों की जीविका के साधन होते हैं और इसकी सभी बुराइयों के बावजूद उनकी मज़बूरी उन्हें यहाँ पर रखती है। हजारों व्यवसायों के केंद्र नगर हैं। नगर ही सांस्कृतिक तथा राजनैतिक गतिविधियों के केंद्र हैं। यहाँ पर आधुनिक जीवन की वे सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं जो हमारे गाँवों में उपलब्ध नहीं हैं। शहर में प्रत्येक रुचि और स्वभाव के लोगों के लिए काम है। यहाँ पर कोई भी व्यक्ति अपने

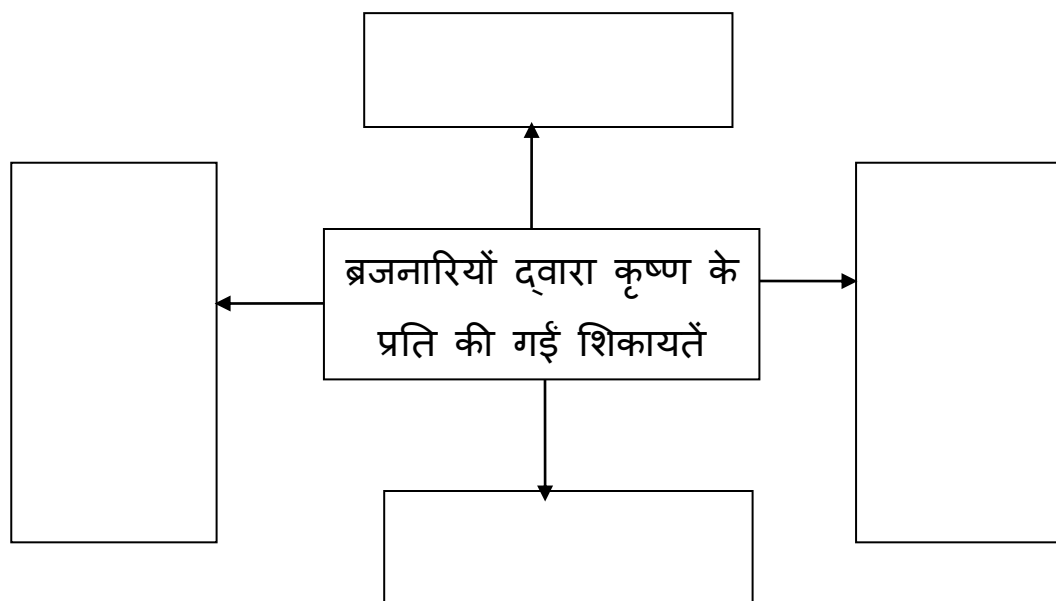
आप को उदास और निरुत्साहित नहीं समझता। इन्हीं कारणों से वह व्यक्ति जो शहर को पसंद नहीं करता वह भी शहर की ओर खिंचा आता है।

(2) 'देश के विकास में शहरों की भूमिका' पर अपने विचार लगभग 6 से 8 वाक्यों में लिखिए। 2

विभाग 2 : पद्य [16]

प्र. 2 (च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [8]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए : 2



तेरो लाल मेरो माखन खायो।

दुपहर दिवस जानि घर सुनों ढूँढ़ि ढढोरि आप ही आयो।।

खोल किवार सूने मंदिर में दूध दही सब सखन खवायो।

सींके काढ़ि खाट चढ़ि मोहन कछु खायो कछु लै ढरकायो।

दिन प्रति हानि होत गोरस की यह ढोटा कौने ढंग जायो।

‘सूरदास’ कहती ब्रजनारी पूत अनोखो जायो।।

(2) सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण करके फिर से लिखिए : 2

(i) ब्रज की नारियाँ कृष्ण की लीलाओं से _____ हैं।

(परेशान हैं/ खुश हैं/ उत्साहित हैं)

(ii) बालक कृष्ण गोरस चुराने के लिए _____।

(खाट पर चढ़ता है/ सींके पर चढ़ता है/द्वार पर चढ़ता है)

(3)

(i) 'प्रति' उपसर्ग का प्रयोग करके दो शब्द लिखिए। 1

(ii) अर्थ लिखिए : 1

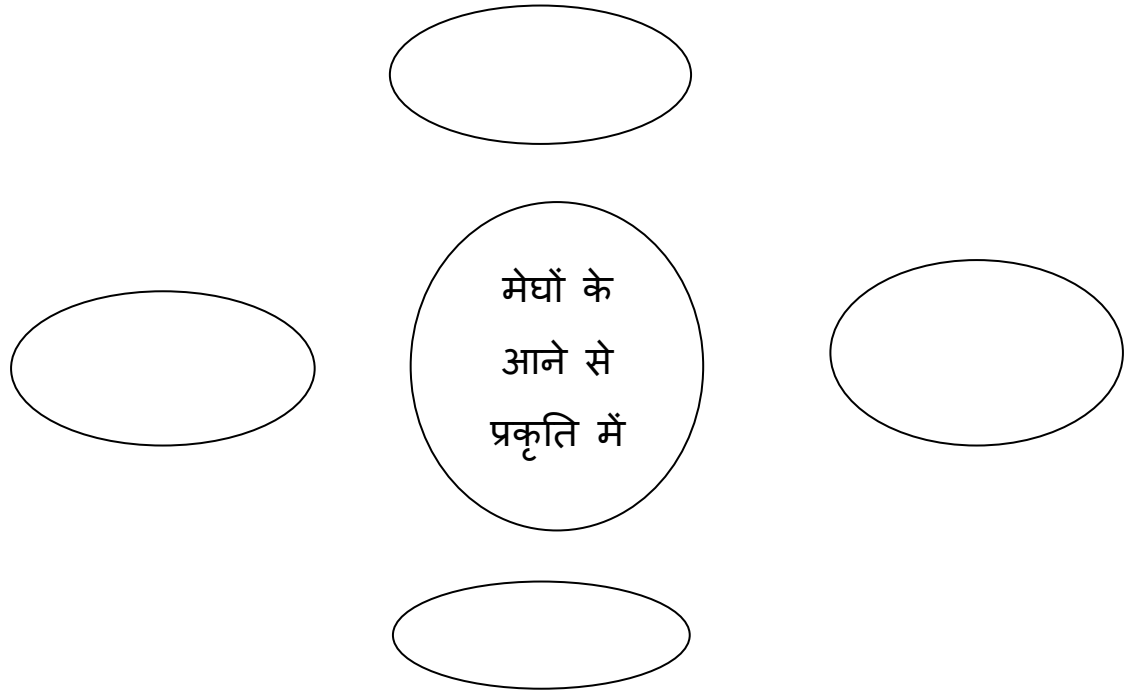
दिन =

दीन =

(4) प्रस्तुत पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ सरल हिंदी में लिखिए। 2

(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [8]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए : 2



मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली,
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
पेड़ झुक झुँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(2) उपर्युक्त पद्यांश से ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों - प्रत्येक शब्द के लिए एक प्रश्न तैयार कीजिए :

1. बयार
2. मेघ

(3) (i) कविता में दो बार आई हुई पंक्ति लिखिए। 1

(ii) कविता में प्रयुक्त समान अर्थ के शब्द लिखिए : 1

बादल

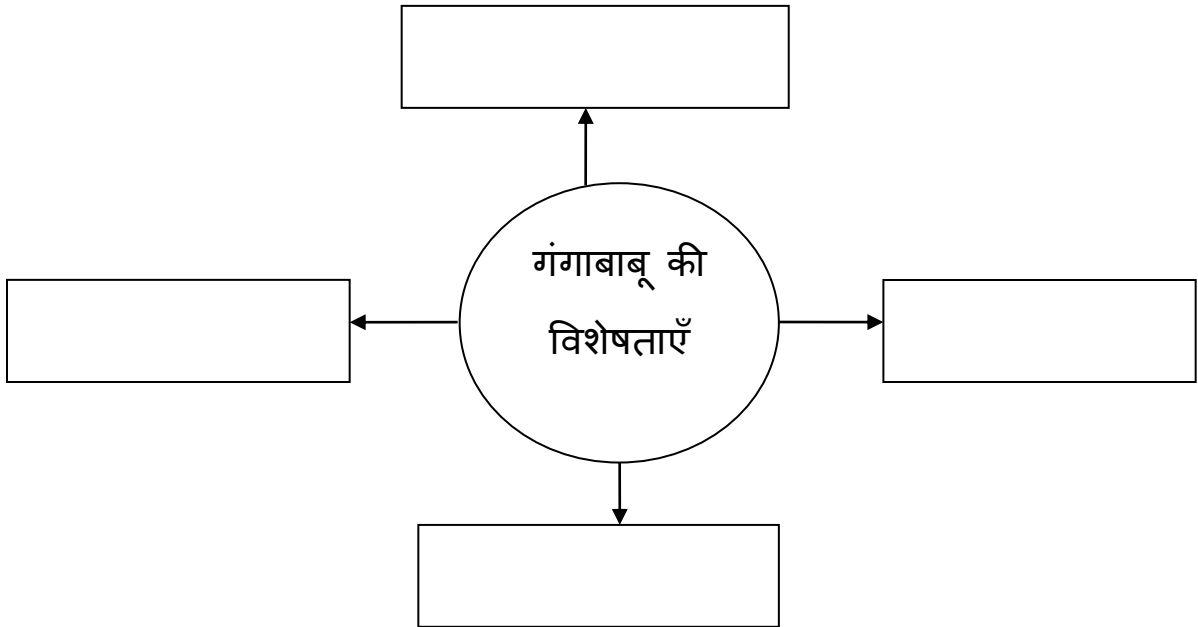
सरिता

(4) प्रस्तुत पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ सरल हिंदी लिखिए। 2

विभाग 3 : पूरक पठन [4]

प्र 3 परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(1) संजाल पूर्ण कीजिए : 2



गंगा बाबू से मेरा परिचय आज से कोई दस वर्ष पूर्व हुआ था। किंतु मुझे सदा ऐसा लगता था, जैसे वर्षों से उन्हें जानती हूँ। मेरा एक संस्मरण पढ़कर, उन्होंने मुझे जब पत्र लिखा तो मैंने उन्हें कभी देखा भी नहीं था। किंतु उस सरल पत्र की सहज-स्नेहपूर्ण भाषा ने जो चित्र उनका खींचकर रख दिया था,

साक्षात्कार होने पर वे एकदम वैसे ही लगे। बूटा-सा कद, भारी-भरकम शरीर, सरल वेशभूषा और गांभीर्य-मंडित चेहरे को उदभासित करती स्नेही मुस्कान। उन्होंने मेरे लेख को सराहा, यह मेरा सौभाग्य था। उस पत्र में उन्होंने लिखा था, "संस्मरण ऐसा हो कि जिसे कभी देखा भी न हो, उसकी साक्षात छवि ही सामने आ जाए, उसका क्रोध, उसकी परिहास रसिकता, उसकी दयालुता, उसकी गरिमा, उसकी दुर्बलता, सब कुछ सशक्त लेखनी आँकती चली जाए, वही उसकी सच्ची तस्वीर है, वही सफल संस्मरण है।"

(2) 'जीवन की अविस्मरणीय घटना' लगभग 6 से 8 वाक्यों में लिखिए। 2

विभाग 4 : व्याकरण

प्र. 4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [10]

(1) (i) शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए : ½

साइकिल

(ii) अधोरेखित शब्द का भेद पहचानिए : ½

उन्होंने गहरी साँस ली।

(2) वाक्य शुद्ध करके लिखिए : 1

राजकुमार ने हिरन का शिकार की।

(3) सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए : 1

अपने सीखने के दरवाजे खुले रखो।

(4) क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए : 1

देना

(5) (i) अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए : 2
काश !

(ii) अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए :
उसने सोचा कि पृथ्वी गोल है।

(6) काल काल परिवर्तन कीजिए : 2
बिल्ली उसकी ओर देखती है।

(i) सामान्य भूतकाल
(ii) सामान्य भविष्यकाल।

(7) (i) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1
तौलकर बोलना

(ii) अधोरेखंकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य
फिर से लिखिए : 1
रमेश ने सुरेश की मदद नहीं की इसलिए सुरेश ने उसकी उपेक्षा की।
(मुँह फेरना, गहरा छू जाना)

विभाग 5 : रचना विभाग [30]

सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

प्र. 5 (1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार
कीजिए : 5

समता विद्यालय, ४२५, शिवाजी रोड, कोल्हापुर को 'आदर्श विद्यालय'
पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह जानकारी पाकर पुर्तता/पूरब जोशी, १२०, एकता

कॉलोनी, कोल्हापुर से अपने प्रधानाचार्य को अभिनंदन हेतु पत्र लिखती/लिखता है।

अथवा

‘स्वच्छता अभियान’ में सहयोग देने के लिए अमित/अमिता देसाई, 10/147 गणेश कॉलोनी, मिरज से अपनी कॉलोनी के सचिव को पत्र लिखता/लिखती है।

- (2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए : 5

भीड़ के लोगों द्वारा एक आदमी पर पत्थर फेंकना - महात्मा का आना - लोगों द्वारा उस आदमी के पापों की शिकायत - महात्मा से न्याय की माँग - महात्मा का न्याय - उपदेश देना - भीड़ का चुप रहना - किसी का आगे न बढ़ना।

- (3) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हों : 5

बाल्यकाल में बालक खेल को ही प्रधानता देता है। प्रत्येक सामान्य बालक में खेलने की तीव्र प्राकृतिक योग्यताएँ होती हैं जिनके द्वारा शारीरिक और मानसिक विकास में सहायता मिलती है और उसकी संस्कृति इन योग्यताओं और प्रेरणाओं को सही रास्ता दिखाती है, गलत होने पर प्रतिबंध लगाकर उन्हें सही मोड़ देती है।

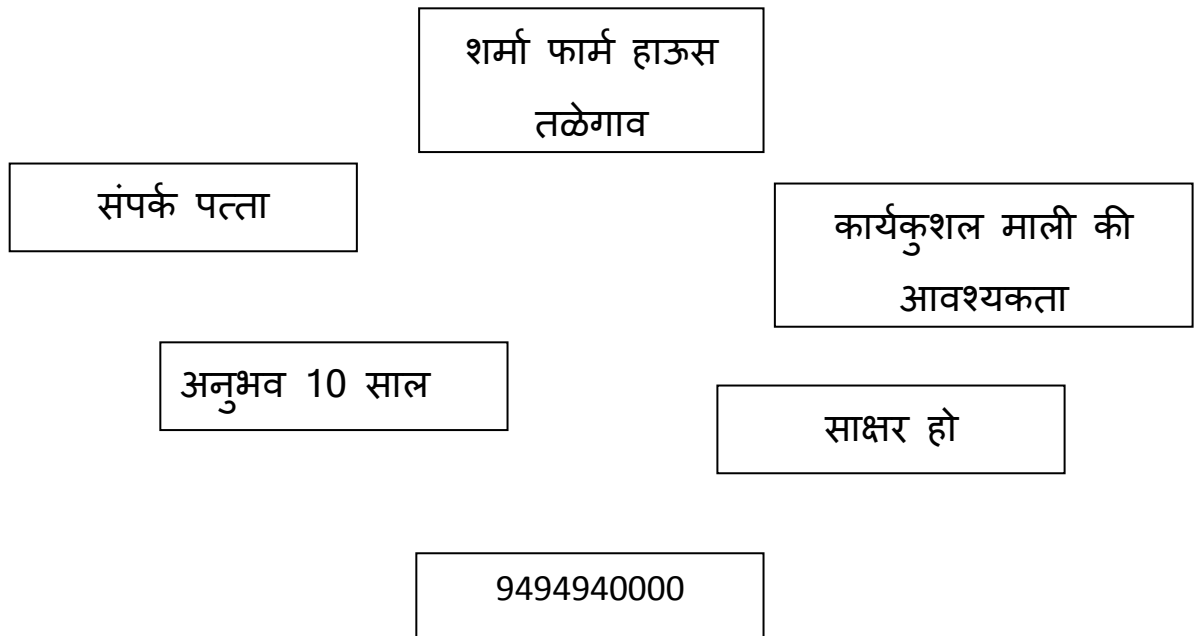
यह कहना कि बालक काम करने में बहुत सुस्त व आलसी है इसलिए खेलेगा भी नहीं, गलत है क्योंकि देखा जाता है कि कभी-कभी बालक खेलते समय बड़ी शक्ति नष्ट करता है। वह एकाग्रचित्त से खेलना है और ऐसा करते समय उसे वह आत्मसंतोष मिलता है जो अन्य किसी

काम से नहीं मिलता। पूर्ण मानसिक विकास के लिए पूरी तन्मयता से खेलना आवश्यक होता है। प्रायः देखा गया है कि जो बालक बाल्यकाल में पूरी तन्मयता से खेलते हैं, बड़े होकर उनमें स्थिरता पाई जाती है और काफी अच्छे निकलते हैं।

- (4) निम्नलिखित जानकारी पढ़कर लगभग 60 से 80 शब्दों में प्रसंग वर्णन कीजिए : 5

बालदिन के अवसर पर हमारी पाठशाला में दिव्यांग बच्चों द्वारा मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत किया जा रहा था। सभी छात्र आनंद ले रहे थे। तब मेरे मन में यह विचार आए

- (5) निम्नलिखित मुद्दों के आधार से लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए : 5



(6) किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए : 5

(i) यदि भाषा न होती

(ii) सफल विद्यार्थी की आत्मकथा

M.S.B
कक्षा : 10
हिन्दी – 2018

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 80

सूचनाएँ :

1. सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियाँ की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

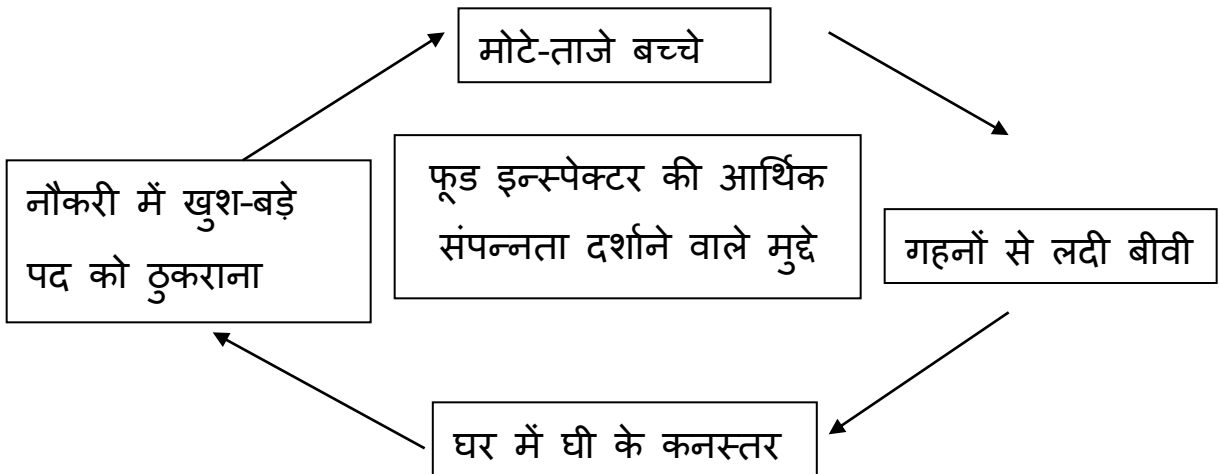
[20]

प्र. 1 (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

[8]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :

2



वह रो रहा था। सचमुच में रो रहा था। जब मैंने उसकी आँखों में टावेल लगाया। कहा, "भैया, मत रोओ, सिर दुखेगा।"

उसने कहा, "होनी को कौन टाल सका है? देखो, क्या होना था, क्या हो गया।" और उसके आँसुओं ने फिर स्पीड पकड़ ली। उसने अचानक पास में रखी हुई मसाला दोचने की लुढ़िया उठाई और अपने सर पर मारते हुए कहा, "ले भुगत।"

उसके सर पर बहुत बड़ा गुरमा निकल आया। मैंने टावेल निचोड़कर उसकी आँखों पर रख दिया।

वह फूड इन्स्पेक्टर था। यूँ उसका रंग वही था, जो भगवान कृष्ण का था, मगर उसके गाल लाल सुर्ख थे। इस सदी में यदि किसी को निखालिस दूध मिलता था, तो उसे ही, क्योंकि वह शहर के होटलों में दूध चेक करता था। उसके बच्चे भी मोटे-ताजे थे और उसकी बीवी गहनों से लदी रहती थी। वह स्वयं घी का व्यापारी नहीं था पर उसके घर में घी के कनस्तर रखे रहते थे। वह फूड इन्स्पेक्टर की नौकरी में इतना खुश था कि उसे अगर राष्ट्र के सबसे बड़े पद का आफर भी मिलता, तो वह ठुकरा देता।

(2) कारण लिखिए :

2

(i) फूड इन्स्पेक्टर के सर पर गुरमा निकल आने का कारण -

उत्तर : उसने रोते-रोते मसाला दोचने की लुढ़िया अपने सर पर दे मारी जिससे उसे गुरमा निकल आया।

(ii) फूड इन्स्पेक्टर को निखालिस दूध मिलने का कारण -

उत्तर : वह शहर के होटलों में दूध चेक करता था।

(3) उचित विरामचिह्नों का यथास्थान प्रयोग कर वाक्य फिर से लिखिए :

(i) उसने कहा होनी को कौन टाल सकता है 1

उत्तर : उसने कहा, "होनी को कौन टाल सकता है।"

(ii) वचन परिवर्तन कीजिए : 1

उत्तर :

1. आँख - आँखें

2. शहर - शहरों

(4) 'होनी को कोई टाल नहीं सकता' पर अपने विचार लगभग 8 से 10 वाक्यों में लिखिए। 2

उत्तर : 'होनी को कोई टाल नहीं सकता' - ज्यादातर भाग्यवादी लोग यह मानते हैं परंतु मेरे विचार से सतर्क रहकर हम भविष्य में होनेवाली अनहोनी को टाल सकते हैं। भाग्यवादी न बनते हुए हमें अपनी किस्मत खुद लिखने का फैसला लेना चाहिए। अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए योजना बनाकर उसपर कार्यरत रहना चाहिए।

(ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [8]

(1) विधान पढ़कर उसके सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए : 2

1. व्याकरण का उद्देश्य वाणी की शुद्धि करना माना गया है।

सत्य

2. पतंजलि ने चित्तशुद्धि के लिए वैद्यक लिखा।

असत्य

3. सुंदर भजन का नाद नींद में भी मन में घूमता रहता है।

सत्य

4. भक्तिमार्ग की मुख्य सीख वाक् शुद्धि है।

सत्य

पतंजलि के बारे में कहते हैं कि उसने चित्तशुद्धि के लिए योगसूत्र लिखे, शरीरशुद्धि के लिए वैद्यक लिखा और वाक् शुद्धि के लिए व्याकरण महाभाष्य लिखा। ये तीनों चीजें लिखने वाला पतंजलि एक ही था या अलग-अलग इस ऐतिहासिक प्रश्न को हम अभी छोड़ दें। परंतु महत्त्व की बात यह है कि व्याकरण का उद्देश्य वाणी की शुद्धि करना माना गया है।

भक्तिमार्ग की मुख्य सिखावत है कि वाणी से हरिनाम लेते रहना चाहिए।

शरीर संसार में काम भले ही करता रहे, किंतु वाणी में संसार न हो। वाणी का मन पर गहरा संस्कार पड़ता रहता है। कोई अगर सुंदर भजन सुनकर सो जाए तो सवेरे उठते ही बराबर वही अपने-आप याद आ जाता है, इतना उसका नाद नींद में भी मन में घूमता रहता है। तुलसीदास जी ने कहा है :

राम नाम मणि दीप धरु जीह देहरी द्वार,

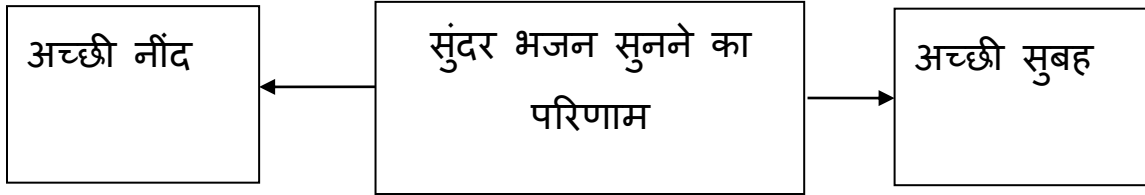
तुलसी भीतर बाहराहुँ जो चाहस उजियार।

अंतर की आत्मा और बाहर का जगत इन दोनों के मध्य मानो यह वाणी देहरी है। अंदर और बाहर दोनों ओर अगर मुझे प्रकाश चाहिए तो वाणी की इस देहरी पर रामनाम का बिना तेल-बाती का मणिदीप रख दे।

(2) (i) एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए : 1

1. पतंजलि द्वारा शरीरशुद्धि के लिए लिखी रचना - वैद्यक
2. अंतर आत्मा और बाहर का जगत इन दोनों का मध्य - वाणी

(ii) उत्तर लिखिए : 1



(3) (i) सारणी की सहायता से विरुद्ध अर्थ के शब्द ढूँढ़कर लिखिए : 1

बा	अ	×
द्	×	र
ह	द्	ध
शु	×	र

अंदर × बाहर

शुद्ध × अशुद्ध

(ii) परिच्छेद में प्रयुक्त दो विरामचिह्नों के नाम लिखिए। 1

पूर्ण विराम

अल्प विराम

(4) 'वाणी' का महत्त्व पर अपने विचार लगभग 8 से 10 वाक्यों लिखिए।

2

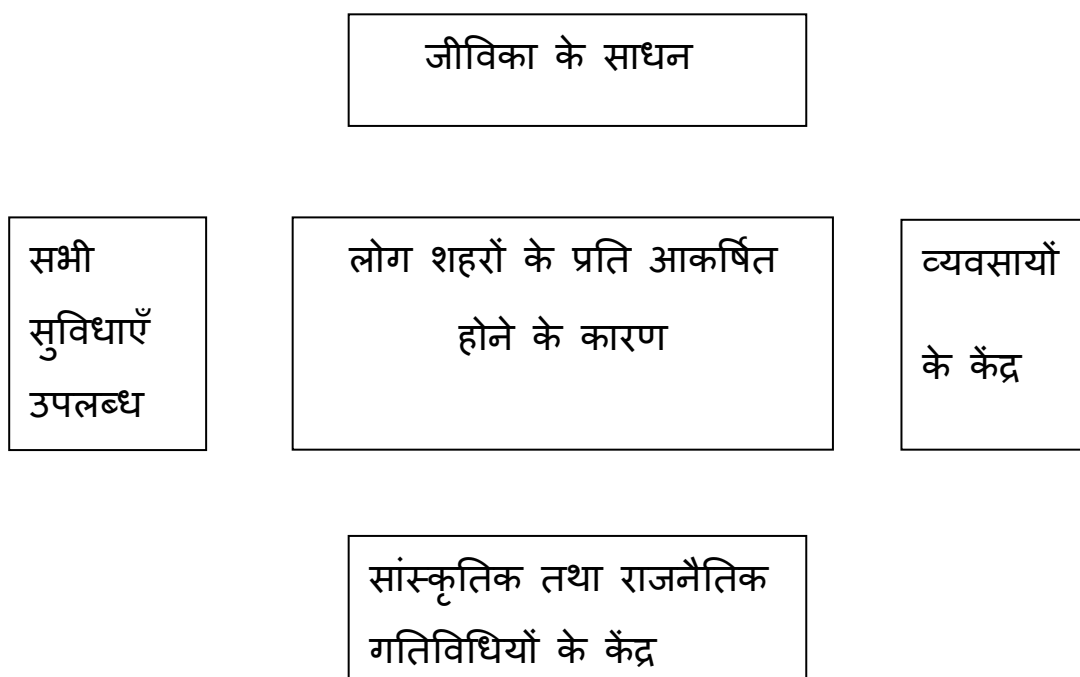
उत्तर : वाणी से ही बात बनती या बिगड़ती है। मनुष्य को अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। मनुष्य को ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जो सुनने वाले के मन को बहुत अच्छी लगे। ऐसी वाणी दूसरे लोगों को तो सुख पहुँचाती ही है, इसके साथ खुद को भी बड़े आनंद का अनुभव होता है।

(ग) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

[4]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :

2



शहरों को पसंद करने के कई कारण हैं। नगर बहुत से लोगों की जीविका के साधन होते हैं और इसकी सभी बुराइयों के बावजूद उनकी मज़बूरी उन्हें यहाँ पर रखती है। हजारों व्यवसायों के केंद्र नगर हैं। नगर ही सांस्कृतिक तथा राजनैतिक गतिविधियों के केंद्र हैं। यहाँ पर आधुनिक जीवन की वे सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं जो हमारे गाँवों में उपलब्ध नहीं हैं। शहर में प्रत्येक

रूचि और स्वभाव के लोगों के लिए काम है। यहाँ पर कोई भी व्यक्ति अपने आप को उदास और निरुत्साहित नहीं समझता। इन्हीं कारणों से वह व्यक्ति जो शहर को पसंद नहीं करता वह भी शहर की ओर खिंचा आता है।

(2) 'देश के विकास में शहरों की भूमिका' पर अपने विचार लगभग 6 से 8 वाक्यों में लिखिए।

2

उत्तर : देश का विकास शहर से होता है। शहर में शिक्षा और व्यापार के उत्तम अवसर मिलते हैं। शहर में उद्योग द्वारा विश्व बाजार में चीज़ें बेची जाती हैं। शहर देश की आर्थिक दृष्टि से रीढ़ की हड्डी है। शहर के विकास का असर गाँव पर भी देखने मिलता है क्योंकि वे शहर को अनुसरते हैं।

विभाग 2 : पद्य

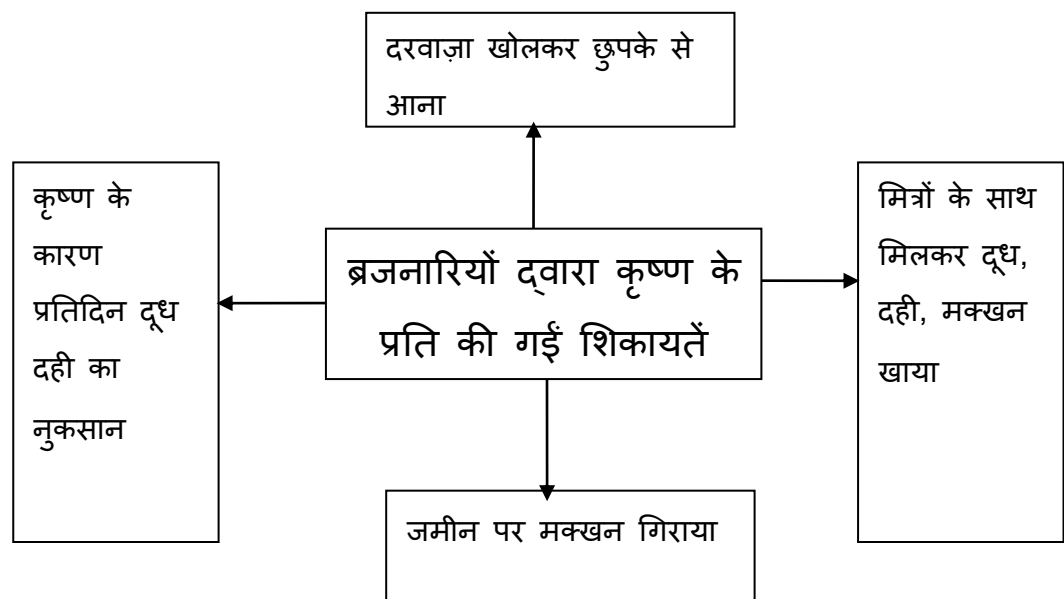
[16]

प्र. 2 (च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

[8]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :

2



तेरो लाल मेरो माखन खायो।

दुपहर दिवस जानि घर सुनों ढूँढ़ि ढढोरि आप ही आयो।।

खोल किवार सूने मंदिर में दूध दही सब सखन खवायो।

सींके काढ़ि खाट चढ़ि मोहन कछु खायो कछु लै ढरकायो।

दिन प्रति हानि होत गोरस की यह ढोटा कौने ढंग जायो।

‘सूरदास’ कहती ब्रजनारी पूत अनोखो जायो।।

(2) सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण करके फिर से लिखिए : 2

(i) ब्रज की नारियाँ कृष्ण की लीलाओं से परेशान हैं।

(परेशान हैं/ खुश हैं/ उत्साहित हैं)

(ii) बालक कृष्ण गोरस चुराने के लिए सींके पर चढ़ता है।

(खाट पर चढ़ता है/ सींके पर चढ़ता है/द्वार पर चढ़ता है)

(3)

(i) ‘प्रति’ उपसर्ग का प्रयोग करके दो शब्द लिखिए। 1

प्रति - प्रतिदिन, प्रतिकूल

(ii) अर्थ लिखिए : 1

दिन = दिवस

दीन = गरीब

(4) प्रस्तुत पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ सरल हिंदी में लिखिए। 2

उत्तर : प्रस्तुत पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ यह है कि

गोपियाँ कृष्ण की शिकायत लेकर यशोदा के पास आई हैं।

कृष्ण ने उनका मखन चुराकर खा लिया है। दोपहर में जब

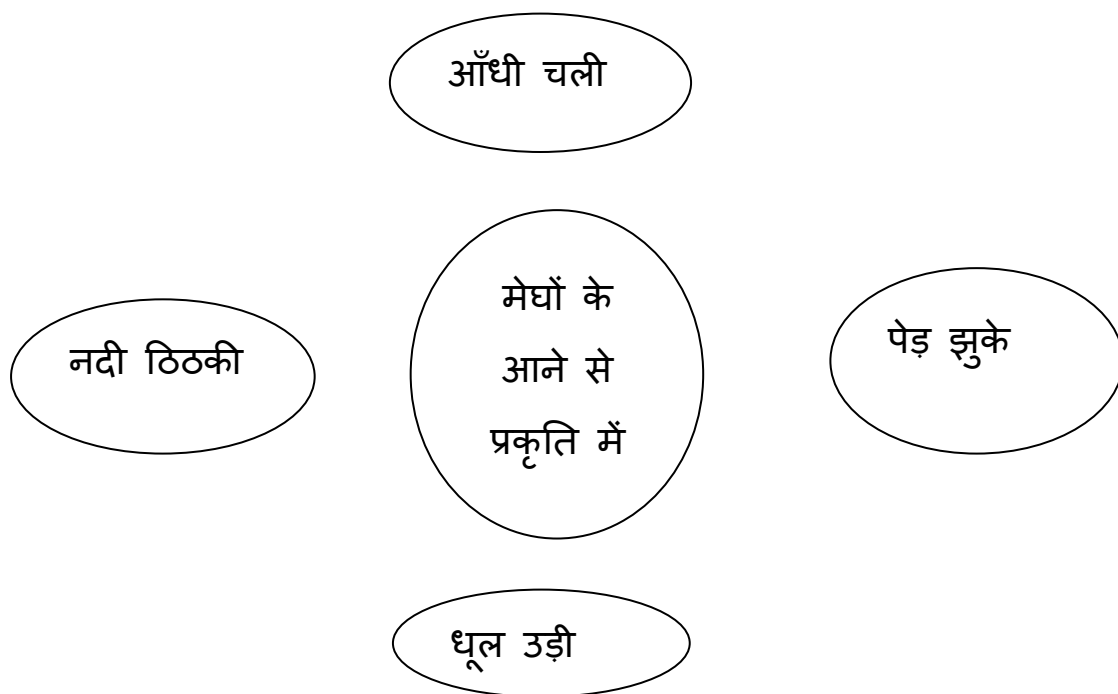
घर में सन्नाटा था तो कृष्ण दरवाजा खोलकर गोपियों के घर में प्रवेश कर गये। फिर उन्होंने अपने मित्रों के साथ दूध, दही और मक्खन साफ कर दिया। कृष्ण ओखल पर चढ़कर छींके तक पहुँच जाते हैं और जमीन पर ढेर सारा मक्खन गिरा देते हैं।

(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

[8]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :

2



मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
 आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली,
 दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
 पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
 मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
 पेड़ झुक झँकने लगे गरदन उचकाए,

आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(2) उपर्युक्त पद्यांश से ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों - प्रत्येक शब्द के लिए एक प्रश्न तैयार कीजिए :

2

1. बयार - नाचती-गाती कौन चली?
2. मेघ - बन-ठन के कौन आए?

(3) (i) कविता में दो बार आई हुई पंक्ति लिखिए।
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।

1

(ii) कविता में प्रयुक्त समान अर्थ के शब्द लिखिए :

1

बादल = मेघ
सरिता = नदी

(4) प्रस्तुत पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ सरल हिंदी लिखिए।

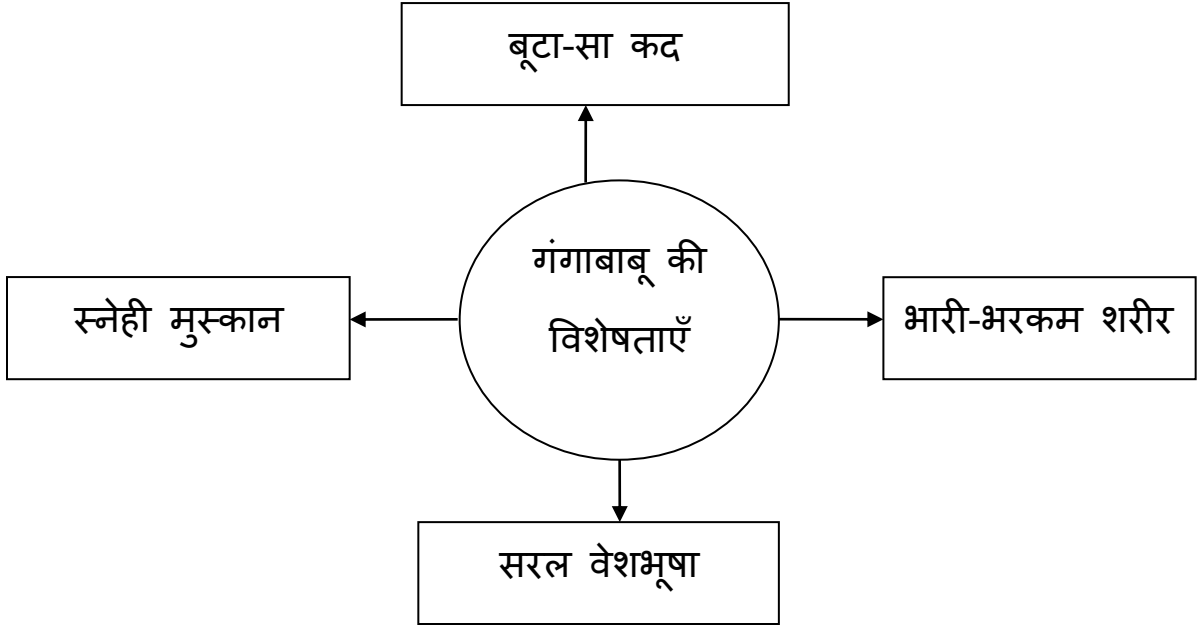
2

उत्तर : मेघ के आने का प्रभाव सभी पर पड़ा है। हवा के दबाव से पेड़ हिलने लगते हैं। नदी ठिठककर कर जब ऊपर देखने की चेष्टा करती है तो उसका घूँघट सरक जाता है और वह तिरछी नज़र से आए हुए आंगतुक (मेघ रूपी मेहमान) को देखने लगती है।

प्र 3 परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :

2



गंगा बाबू से मेरा परिचय आज से कोई दस वर्ष पूर्व हुआ था। किंतु मुझे सदा ऐसा लगता था, जैसे वर्षों से उन्हें जानती हूँ। मेरा एक संस्मरण पढ़कर, उन्होंने मुझे जब पत्र लिखा तो मैंने उन्हें कभी देखा भी नहीं था। किंतु उस सरल पत्र की सहज-स्नेहपूर्ण भाषा ने जो चित्र उनका खींचकर रख दिया था, साक्षात्कार होने पर वे एकदम वैसे ही लगे। बूटा-सा कद, भारी-भरकम शरीर, सरल वेशभूषा और गांभीर्य-मंडित चेहरे को उदभासित करती स्नेही मुस्कान। उन्होंने मेरे लेख को सराहा, यह मेरा सौभाग्य था। उस पत्र में उन्होंने लिखा था, "संस्मरण ऐसा हो कि जिसे कभी देखा भी न हो, उसकी साक्षात छवि ही सामने आ जाए, उसका क्रोध, उसकी परिहास रसिकता, उसकी दयालुता, उसकी गरिमा, उसकी दुर्बलता, सब कुछ सशक्त लेखनी आँकती चली जाए, वही उसकी सच्ची तस्वीर है, वही सफल संस्मरण है।"

(2) 'जीवन की अविस्मरणीय घटना' लगभग 6 से 8 वाक्यों में लिखिए। 2

छुट्टी में मेरा परिवार सोमनाथ की तीर्थ यात्रा पर गया था। दर्शनों के बाद समुद्र में नहाने के लिये चल दिये। सोमनाथ में दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। हमने घूमने का मजा भी लिया और हमारी तीर्थ यात्रा भी हो गई। यहाँ हमें प्रकृति की सुंदरता देखने को मिली। यात्रा के दौरान प्राकृतिक सौंदर्य के अलौकिक आनन्द में डूबी हुई थी परंतु जीवन के कुछ सत्य जो वह इस आनंद में भूल चूकी थी अकस्मात् वहाँ के जनजीवन ने उसे झकझोर दिया। वहाँ सात आठ साल के बच्चों को रोज़ तीन-साढ़े तीन किलोमीटर का सफ़र तय कर स्कूल पढ़ने जाना पड़ता है। स्कूल के पश्चात् वे बच्चे मवेशियों को चराते हैं तथा लकड़ियों के गड्ढर भी ढोते हैं। इस प्रकार मैंने इस यात्रा का आनंद लिया। रास्ते में अलग-अलग जगह पर लोगों का जीवन कैसा होता है यह जाना। छोटे बच्चे पढ़ने के लिए कितना परिश्रम करते हैं यह देखकर जीवन में जो कुछ मिला है उसकी कद्र करना सीखा। यह मेरे जीवन की जीवन की अविस्मरणीय घटना है।

विभाग 4 : व्याकरण

प्र. 4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [10]

(1) (i) शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए : ½

साइकिल - मुझे साइकिल चलाना बहुत पसंद है।

(ii) अधोरेखित शब्द का भेद पहचानिए : ½

उन्होंने गहरी साँस ली।

गहरी - क्रिया विशेषण

- (2) वाक्य शुद्ध करके लिखिए : 1
राजकुमार ने हिरन का शिकार की।
उत्तर : राजकुमार ने हिरन का शिकार किया।
- (3) सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए : 1
अपने सीखने के दरवाजे खुले रखो।
उत्तर : रखो-रखना - सहायक क्रिया
- (4) क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए : 1
देना - दिलाना - दिलवाना
- (5) (i) अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए : 2
काश ! - विस्मयादिबोधक अव्यय
(ii) अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए :
उसने सोचा कि पृथ्वी गोल है।
कि - समुच्चयबोधक अव्यय
- (6) काल काल परिवर्तन कीजिए : 2
बिल्ली उसकी ओर देखती है।
(i) सामान्य भूतकाल - बिल्ली ने उसकी ओर देखा।
(ii) सामान्य भविष्यकाल - बिल्ली उसकी ओर देखेगी।
- (7) (i) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1
तौलकर बोलना - सोच-समझकर

उत्तर : तौलकर बोलना केवल दूसरों से आपके रिश्तों को प्रगाढ़ ही नहीं करता बल्कि उनके मन में आपके लिए सम्मान भी पैदा करता है।

(ii) अधोरेखित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए : 1

रमेश ने सुरेश की मदद नहीं की इसलिए सुरेश ने उसकी उपेक्षा की।
(मुँह फेरना, गहरा छू जाना)

उत्तर : रमेश ने सुरेश की मदद नहीं की इसलिए सुरेश ने उससे मुँह फेर लिया।

विभाग 5 : रचना विभाग [30]

सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

प्र. 5 (1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए : 5

समता विद्यालय, ४२५, शिवाजी रोड, कोल्हापुर को 'आदर्श विद्यालय' पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह जानकारी पाकर पुर्तता/पूरब जोशी, १२०, एकता कॉलोनी, कोल्हापुर से अपने प्रधानाचार्य को अभिनंदन हेतु पत्र लिखती/लिखता है।

समता विद्यालय

425, शिवाजी रोड

कोल्हापुर

विषय : आदर्श विद्यालय पुरस्कार हेतु अभिनंदन

माननीय प्रधानाचार्य,

समता विद्यालय को आदर्श विद्यालय का पुरस्कार मिला है। मुझे बहुत ही गर्व महसूस हो रहा है की मैं इसका विद्यार्थी हूँ। मैं यह पत्र द्वारा आपको बधाई देना चाहता हूँ। इस कामयाबी की ढ़ेरो बधाईयाँ।
आशा करता हूँ आपके नेतृत्व में विद्यालय का नाम और रोशन होगा।
आपका आज्ञाकारी छात्र
पूरब जोशी
120, एकता कॉलोनी,
कोल्हापुर

अथवा

‘स्वच्छता अभियान’ में सहयोग देने के लिए अमित/अमिता देसाई,
10/147 गणेश कॉलोनी, मिरज से अपनी कॉलोनी के सचिव को पत्र
लिखता/लिखती है।

सचिव

स्वच्छता अभियान

गणेश कॉलोनी

मिरज

दिनांक : 30 मार्च 2018

विषय : ‘स्वच्छता अभियान’ में सहयोग देने निवेदन।

महोदय

मैं मनोहर विद्यालय का सफाई अभियान दल का नेता हूँ। हमारे विद्यालय के पासवाला इलाका ‘गणेश कॉलोनी’ बहुत ही गंदा होता है। जहाँ से हमारे स्कूल के विद्यार्थी आते-जाते हैं। मैं विद्यालय के दसवीं कक्षा के छात्रों को 30 मार्च के दिन वहाँ सफ़ाई के प्रति जागरूकता लाने

ले जाना चाहता हूँ। हम सफ़ाई अभियान का महत्त्व बताते हुई लोगों को समझाएँगे कि सफ़ाई सामाजिक दायित्व है।

अतः आपसे निवेदन है कि आप हमें सहयोग दे।

भवदीय

अमित देसाई

10\147

गणेश कॉलोनी

मिरज

- (2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए : 5

भीड़ के लोगों द्वारा एक आदमी पर पत्थर फेंकना - महात्मा का आना - लोगों द्वारा उस आदमी के पापों की शिकायत - महात्मा से न्याय की माँग - महात्मा का न्याय - उपदेश देना - भीड़ का चुप रहना - किसी का आगे न बढ़ना।

एक दिन एक आदमी पर कुछ लोग मिलकर पत्थर बरसा रहे थे। वह आदमी दर्द से चीख रहा था। क्षमा-याचना कर रहा था। तभी वहाँ से संत महात्मा गुजर रहे थे। यह दृश्य देखते ही उनकी आखों से अश्रु बहने लगे और वे उस आदमी के आगे खड़े होकर उसे बचाने लगे। उन्होंने सबसे यह अमानवीय कृत्य की वजह पूछीं। सबने बताया इसने चोरी की है वह पापी है। आप ही इसका न्याय करें। तब उन्होंने कहा यहाँ खड़े हर व्यक्ति ने कोई न कोई पाप किया होगा इसका अर्थ यह नहीं की हम अमानवीय तरीके से उन्हें सज़ा दे। संसार में सबको सुधारने का मौका देना चाहिए। प्यार से समझाना चाहिए मनुष्य के गलत कार्य करने के

पीछी मजबूरी को जानने का प्रयास करना चाहिए और उसे दूर करने में उसकी सहायता करनी चाहिए। इसी में मानव जीवन की सार्थकता है।

(3) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हों :

5

बाल्यकाल में बालक खेल को ही प्रधानता देता है। प्रत्येक सामान्य बालक में खेलने की तीव्र प्राकृतिक योग्यताएँ होती हैं जिनके द्वारा शारीरिक और मानसिक विकास में सहायता मिलती है और उसकी संस्कृति इन योग्यताओं और प्रेरणाओं को सही रास्ता दिखाती है, गलत होने पर प्रतिबंध लगाकर उन्हें सही मोड़ देती है।

यह कहना कि बालक काम करने में बहुत सुस्त व आलसी है इसलिए खेलेगा भी नहीं, गलत है क्योंकि देखा जाता है कि कभी-कभी बालक खेलते समय बड़ी शक्ति नष्ट करता है। वह एकाग्रचित्त से खेलना है और ऐसा करते समय उसे वह आत्मसंतोष मिलता है जो अन्य किसी काम से नहीं मिलता। पूर्ण मानसिक विकास के लिए पूरी तन्मयता से खेलना आवश्यक होता है। प्रायः देखा गया है कि जो बालक बाल्यकाल में पूरी तन्मयता से खेलते हैं, बड़े होकर उनमें स्थिरता पाई जाती है और काफी अच्छे निकलते हैं।

1. बाल्यकाल में बालक किसे प्रधानता देता है?
2. प्रत्येक बालक में क्या होता है?
3. शारीरिक और मानसिक विकास में सहायता किससे मिलती है?
4. खेल की संस्कृति किसे रास्ता दिखाती है?
5. इस गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

- (4) निम्नलिखित जानकारी पढ़कर लगभग 60 से 80 शब्दों में प्रसंग वर्णन कीजिए :

5

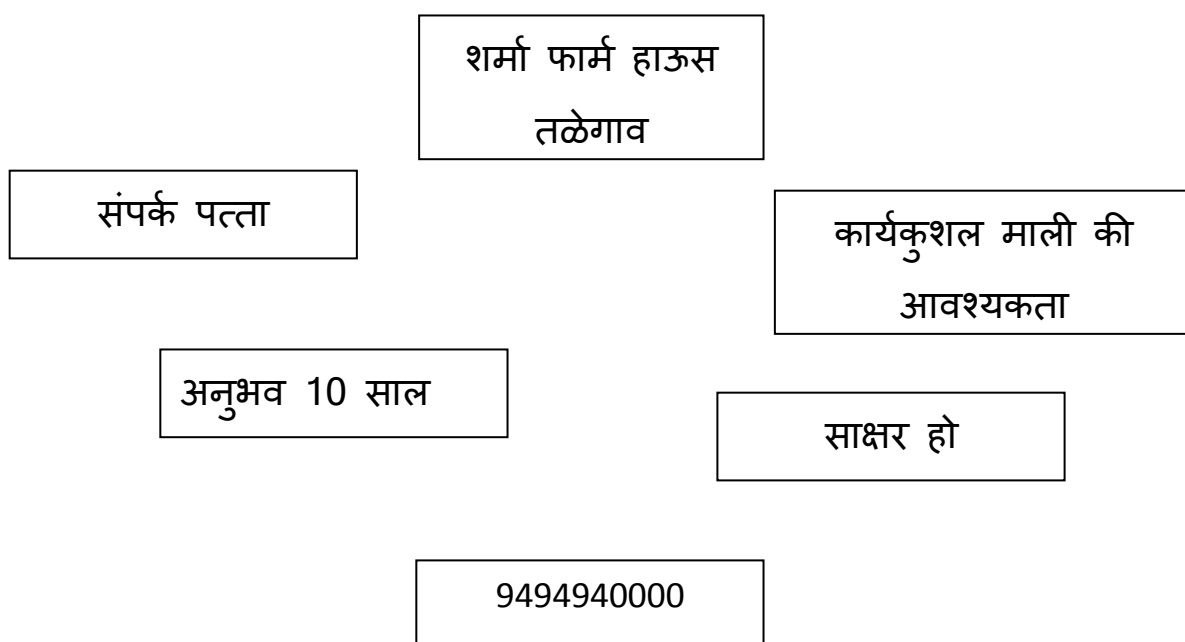
बालदिन के अवसर पर हमारी पाठशाला में दिव्यांग बच्चों द्वारा मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत किया जा रहा था। सभी छात्र आनंद ले रहे थे। तब मेरे मन में यह विचार आए

मुझे तो यकीन ही नहीं हो रहा था के दिव्यांग बच्चे भी इतना अच्छा कार्यक्रम प्रस्तुत कर सकते हैं।

समाज के इस वर्ग को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराया जाये तो वे कोयले को हीरा भी बना सकते हैं। उनके अंदर भी अपने माता-पिता, समाज व देश का नाम रोशन करने का सपना है। हमें उन्हें प्रेम, सन्मान और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने चाहिए। परिवार, समाज के लोगों को उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

- (5) निम्नलिखित मुद्दों के आधार से लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :

5



विज्ञापन
कार्यकुशल माली की खोज
फार्म हाऊस के लिए साक्षर एवं अनुभवी माली की आवश्यकता है
(अनुभव 10 वर्ष)
संपर्क पता : शर्मा फार्म हाऊस
तळेगाव
मोबाईल नं : 9494940000

(6) किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए : 5

(i) यदि भाषा न होती

यदि भाषा न होती तो इतना सभ्य समाज, वैज्ञानिक संशोधन, विकास संभव नहीं था। भाषा न होती तो विचारों का आदानप्रदान न होता। भाषा हमारे विचारों के संप्रेषण का महत्त्वपूर्ण माध्यम है। भाषा के द्वारा ही हम किसी दूसरे व्यक्ति के भावों, विचारों के साथ-साथ उसके व्यक्तित्व का परिचय प्राप्त करते हैं।

मनुष्य जीवन में भाषा का बहुत ही महत्त्व है। समाज में अपने विचारों का आदानप्रदान करने से लेकर किसी विशेष क्षेत्र में सफलता पाने के लिए अच्छी भाषा की बड़ी भूमिका होती है।

मनुष्य को सभ्य व पूर्ण बनाने के लिए शिक्षा जरूरी है और सभी प्रकार की शिक्षा प्राप्त करने के लिए भाषा की आवश्यकता है। भाषा के बिना मनुष्य को शिक्षा देना संभव नहीं था।

भाषा के बिना समाज का विकास नहीं होता। संस्कृति और सभ्यता का विकास नहीं होता। साहित्य, वाणिज्य, विज्ञान, सभ्यता आदि सभी क्षेत्रों

में भाषा की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान बाँटना, वैज्ञानिक संशोधन करना, साहित्यिक रचना करना आदि द्वारा सामाजिक विकास में सहभागी बनने के लिए भी सही भाषा की आवश्यकता है।

(ii) सफल विद्यार्थी की आत्मकथा

मेरा नाम देवांग है। इस वर्ष मैं दसवीं की परीक्षा में पूरे राज्य में प्रथम आया हूँ। मुझसे सभी मेरी सफलता का रहस्य पूछते रहते हैं। तब मैं उन्हें बताता हूँ कि अभ्यास, अभ्यास और अभ्यास ही मेरी सफलता का रहस्य है।

मैंने नवीं कक्षा उत्तीर्ण होने के बाद छुट्टियों में ही अभ्यास शुरू कर दिया था। मैंने समय सारिणी बनाकर प्रथम तीन महीनों में ही पूरा पाठ्यक्रम पढ़ लिया था इसमें मैं अपने बड़े भाई की सहायता लेता था। मैं रोज सुबह जल्दी उठकर 4 घंटे पढ़ता था। पूरा पाठ्यक्रम हो जाने के बाद उसका पुनरावर्तन करता था। पूर्व वर्ष के प्रश्न पत्र हल करता था। मैंने पढ़ाई करने में कभी आलस नहीं की इस तरह नियमित रूप से अभ्यास कर मैंने परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।